भजो सिया राम,
रटो ना राधेश्याम ,
पिंजरे वाली मेनाभजो ना सिया राम ।।

पांच तत्व का बनया पिंजरा
जिसमे रहती मेना ।
जाया नाम जन्म का रहसी
किस विद होसी रहना ।।

भजो सिया राम
रटो ना राधे श्याम ।

रंग रंगीला बण्यो पिंजरा
जिसमे रहती मेना
ढह जाए पिंजरा उड़ जाए मेना
किस विद होगा रहना ।।

भजो सिया राम
रटो ना राधेश्याम ।।

रामो राम रटो ये मेना
नही काग बन जावा
जहर का प्याला कोवा पिवा
अमृत पीवे मेना ।।

भजो सिया राम रटो ना राधेश्याम ।।

दास हबीब बजावे बाजा
गाय सुनावे मेना
भगवत की गत भगवत जाने
नही किसी ने जाना ।।
भजो सिया राम
रटो ना राधे स्याम
पिंजरे वैली मेना
भजो ना सिया राम ।।

बोल नाथ जी महाराज की जय हो ।।